Current Affairs search results for: "MANIPUR"

1. [illegible] (Jan. 8, 2022)

[illegible] 690 [illegible]

- **[illegible] 403 [illegible]** [illegible] 10 [illegible], [illegible] 14 [illegible], [illegible] 20 [illegible], [illegible] 23 [illegible] 27 [illegible] , [illegible] 3 [illegible] 7 [illegible]
- **[illegible] 117 [illegible]** [illegible] 14 [illegible]
- **[illegible] 70 [illegible]** [illegible] 14 [illegible]
- **[illegible] 60 [illegible]** [illegible] 27 [illegible] 3 [illegible]
- **[illegible] 40 [illegible]** [illegible] 14 [illegible]
- **[illegible] 10 [illegible]**
- [illegible] -19 [illegible]
- **[illegible] 18.34 [illegible] 8.55 [illegible]**
- [illegible] 80 [illegible] -19 [illegible]
- 15 [illegible]

[illegible]

2. [illegible] 4,800 [illegible] (Jan. 4, 2022)

[illegible] 4 [illegible] 2022 [illegible]

प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे की मुख्य विशेषताएं:

- पीएम ने लगभग 1,850 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 2,950 करोड़ रुपये की 9 परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- ये परियोजनाएं विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं जैसे:
    - सड़क अवसंरचना
    - पीने के पानी की सप्लाई
    - स्वास्थ्य
    - शहरी विकास
    - आवास
    - सूचना प्रौद्योगिकी
    - कौशल विकास,अन्य

इम्फाल के हट्टा कांगजीबंग में उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री की अगरतला (त्रिपुरा) यात्रा की मुख्य विशेषताएं:

- प्रधान मंत्री ने लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित **महाराजा बीर बिक्रम (एमबीबी) हवाई अड्डे** के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया,
- शुरू की गई प्रमुख पहल :-
    - **मुख्यमंत्री त्रिपुरा ग्राम समृद्धि योजना**- जिसका उद्देश्य ग्राम स्तर पर मुख्य विकास क्षेत्रों में सेवा वितरण के लिए बेंचमार्क मानकों को प्राप्त करना है।
    - **विद्याज्योति विद्यालयों का प्रोजेक्ट मिशन 100-** जिसका उद्देश्य राज्य में 100 मौजूदा उच्च/उच्च माध्यमिक विद्यालयों को अत्याधुनिक सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्याज्योति विद्यालयों में परिवर्तित करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह परियोजना नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के लगभग 1.2 लाख छात्रों को कवर करेगी और अगले तीन वर्षों में लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्रधान मंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिसमें गुड़गांव में मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ परफोर्मिंग आर्ट्स, पीएम जन विकास कार्यक्रम के तहत 72 परियोजनाएं, विविध क्षेत्रों से संबंधित 13 परियोजनाएं, एक सौ दस किलोमीटर से अधिक कुल लंबाई वाली पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं।, एक कोविड अस्पताल के साथ एक कैंसर अस्पताल भी है।

3. सुशासन सूचकांक: (Jan. 3, 2022)

सरकार में शासन को सत्ता और अधिकार के उपयोग के रूप में परिभाषित किया जाता है, ताकि लोगों को सामान और सेवाएं प्रदान की जा सकें| आम लोगों की भलाई ,आकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा किया जा सके। लोग उम्मीद करते हैं कि उनकी सरकार अपने कार्यों को इस तरह से आगे बढ़ाएगी कि न्यूनतम लागत या निवेश के साथ अधिकतम परिणाम प्राप्त हों।

- शासन तब अच्छा होता है जब सरकार के निर्णय और कार्य लोगों की सहमति, वैधता और जवाबदेही पर आधारित होते हैं। यह एक अवधारणा है जो प्रकृति को समावेशी और सकारात्मक बनाता है।

सुशासन की विशेषताएं क्या हैं?

विश्व बैंक की रिपोर्ट 1989 और 1992 के अनुसार आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) वैश्विक शासन आयोग (1995) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) 1997 के अनुसार सुशासन की विशेषताओं को संदर्भित करता है।

- शासन में लोगों की भागीदारी।
- निर्णयकर्ताओं की जवाबदेही।
- निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी।
- वंचित समूहों की जरूरतों को पूरा करना।
- मानव अधिकारों की गारंटी।
- निर्णय लेते समय भावी पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और लोगों के पास शासन की अपनी संरचना है या नहीं।

सुशासन सूचकांक क्या है?

- सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देने के लिए, **भारत सरकार ने 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में घोषित किया। यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म तिथि है। इसकी शुरुआत 2014 में हुई थी।**
- सुशासन में राज्य सरकार के प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने और उसका आकलन करने और देश में नागरिक केंद्रित विकास को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने सुशासन सूचकांक लॉन्च किया।
- जीजीआई का उद्देश्य एक ऐसा उपकरण तैयार करना है जिसका इस्तेमाल केंद्र शासित प्रदेशों सहित केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए राज्यों में समान रूप से किया जा सके।
- जीजीआई का महत्वपूर्ण योगदान राज्य स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति पर नज़र रखने में योगदान देना होगा। अभिज्ञात क्षेत्र और संकेतक समग्र शासन के दृष्टिकोण से कुछ महत्वपूर्ण एसडीजी संकेतकों से सीधे जुड़े हुए हैं।
- **यह सुशासन दिवस (25 दिसंबर) पर जारी किया जाता है|**

सुशासन सूचकांक का प्रकाशन कौन करता है ?

- केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा सूचकांक प्रकाशित किया जाता है।
- गवर्नेंस की गुणवत्ता के आकलन के लिए फ्रेमवर्क सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस हैदराबाद ने एसी नीलसन के सहयोग से तैयार किया है।

यह पहली बार कब प्रकाशित हुआ था?

यह पहली बार 2019 में प्रकाशित किया गया था, और यह हर दो साल बाद जारी किया जाता है। नवीनतम संस्करण 25 दिसंबर 2021 को जारी किया गया है।

सुशासन सूचकांक में क्या शामिल है?

जीजीआई 2020-21 में 10 गवर्नेंस सेक्टर और 58 गवर्नेंस इंडिकेटर शामिल हैं|

- कृषि और संबद्ध क्षेत्र,
- वाणिज्य और उद्योग,
- मानव संसाधन विकास,
- सार्वजनिक स्वास्थ्य,
- सार्वजनिक अवसंरचना और उपयोगिताएँ,
- आर्थिक शासन,
- समाज कल्याण और विकास,
- न्यायिक और सार्वजनिक सुरक्षा,
- पर्यावरण,
- नागरिक-केंद्रित शासन।

2019 इंडेक्स की तुलना में बदलाव।

2019 के सूचकांक में 10 शासन क्षेत्र और 50 शासन संकेतक शामिल थे। 2021 के इंडेक्स में गवर्नेंस सेक्टर 10 हैं लेकिन गवर्नेंस इंडिकेटर्स को बढ़ाकर 58 कर दिया गया है।

2021 इंडेक्स की मुख्य विशेषताएं:-

जीजीआई 2020-21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत करता है|

- **ग्रुप ए** - इसमें गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पंजाब, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं|
- **ग्रुप बी** - इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं|
- **उत्तर-पूर्व और पहाड़ी राज्य** - इसमें हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, उत्तराखंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, असम, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं।
- **केंद्र शासित प्रदेश** - इसमें दिल्ली, पुडुचेरी, दमन और दीव, चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और लक्षद्वीप शामिल हैं।

गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा 10 क्षेत्रों के कवर करते हुए समग्र रैंक स्कोर में शीर्ष पर हैं।

समूहवार राज्यों की रैंकिंग:

- **समूह ए:**
- गुजरात समग्र रैंकिंग (जीजीआई 2019 सूचकांक पर 12.3% की वृद्धि) में शीर्ष पर है, इसके बाद महाराष्ट्र और गोवा का स्थान है।
- **ग्रुप बी:**
- मध्य प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद राजस्थान और छत्तीसगढ़ हैं।
- **उत्तर-पूर्व और पहाड़ी राज्य:**
- हिमाचल प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद मिजोरम और उत्तराखंड हैं।
- **केंद्र शासित प्रदेश:**
- सूची में दिल्ली शीर्ष पर है।

यूपी ने वाणिज्य और उद्योग क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल किया है|

जीजीआई 2021 का कहना है कि 20 राज्यों ने GGI 2019 इंडेक्स स्कोर की तुलना में अपने समग्र जीजीआई स्कोर में सुधार किया है। यह इंगित करता है कि भारत के राज्यों में समग्र शासन एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भाषान्तर संजय

4. नीति आयोग ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र जिला एसडीजी सूचकांक और डैशबोर्ड 2021-22 जारी किया (Dec. 30, 2021)

- **इसे नीति आयोग के सहयोग से पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDONER) द्वारा जारी किया गया है|**
- **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने इस** सूचकांक के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की है।
- सूचकांक आठ पूर्वोत्तर राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम) के जिला के प्रदर्शन को मापता है।
- सूचकांक प्रतिवर्ष तैयार और प्रकाशित किया जाएगा।

एसडीजी एनईआर इंडेक्स के शीर्ष 5 जिला हैं|

रैंक 1 - पूर्वी सिक्किम, सिक्किम 75.87 के स्कोर के साथ,

रैंक 2 - गोमती, त्रिपुरा और उत्तरी त्रिपुरा, त्रिपुरा 75.73 के स्कोर के साथ,

रैंक 4 - पश्चिम त्रिपुरा, त्रिपुरा 75.67 . के स्कोर के साथ,

रैंक 5 - 74.87 . के स्कोर के साथ सेरछिप, मिजोरम,

सूचकांक सामाजिक विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 2030 को प्राप्त करने की दिशा में प्रदेश और जिलों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिति में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

5. उत्तर पूर्व से स्थानीय ब्रांड - "नम्दाफा गुडनेस" (Dec. 23, 2021)

- **चांगलांग कम्युनिटी रिसोर्स मैनेजमेंट सोसाइटी (सीसीआरएमएस),** अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से उत्तर पूर्वी क्षेत्र समुदायिक संसाधन प्रबंधन सोसाइटी (एनईआरसीआरएमएस), मेघालय द्वारा शुरू किया गया
- सीसीआरएमएस उत्तर पूर्वी परिषद (NEC) और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER), भारत की सरकार के तत्वावधान में एक पंजीकृत सोसायटी है।
- **इसका नाम अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में स्थित प्रतिष्ठित नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान के नाम पर रखा गया है।**
- **उद्देश्य** - समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ) के सदस्यों के स्थानीय रूप से उत्पादित सामानों की बिक्री को बढ़ावा देना और विनिर्माण, विपणन और वितरण संबंधी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों और बेरोजगार युवाओं के बीच स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करना।

विस्तृत-

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER)

- 2001 . में स्थापित
- यह पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों: अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के सामाजिक-आर्थिक विकास से संबंधित मामलों से निपटने के लिए केंद्र सरकार का नोडल विभाग है।
- उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी किशन रेड्डी है|

उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी)

- यह उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम 1971 के तहत गठित एक वैधानिक सलाहकार निकाय है।
- पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्य अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम परिषद के सदस्य हैं।
- प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री और राज्यपाल उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।
- परिषद का मुख्यालय शिलांग, मेघालय में स्थित है।
- नोडल मंत्रालय - पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER)
- यह 2002 से क्षेत्रीय सामाजिक आर्थिक योजना निकाय के रूप में कार्य करता है।

नमदाफा राष्ट्रीय उद्यान

- **यह अरुणाचल प्रदेश राज्य में चांगलांग जिले के भीतर भारत और म्यांमार के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित है।**
- यह दुनिया का एकमात्र पार्क है जिसमें बड़ी बिल्ली की चार प्रजातियां हैं, जैसे कि टाइगर (पेंथेरा टाइग्रिस), तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस), स्नो लेपर्ड (पैंथेरा उनसिया) और क्लाउडेड लेपर्ड (नियोफेलिस नेबुलोसा)।

भारत में पाई जाने वाली **एकमात्र 'एपी' प्रजाति हूलॉक गिब्बन** इस राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है।

6. राष्ट्रीय समाचार (Dec. 19, 2021)

1. प्रधानमंत्री ने सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का उद्घाटन किया

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में **9,800 करोड़ रुपये की सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना का उद्घाटन किया।**
- 6,623 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली से क्षेत्र के नौ जिलों - बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीरनगर ,गोरखपुर और महाराजगंज के लगभग 29 लाख किसानों को 14 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई के लिए सुनिश्चित पानी उपलब्ध होगा।

- क्षेत्र के जल संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए परियोजना के तहत पांच नदियों-घाघरा, सरयू, राप्ती, बाणगंगा और रोहिणी को आपस में जोड़ा गया है।

2. उपराष्ट्रपति ने हैदराबाद में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

- भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने 12 दिसंबर 2021 को हैदराबाद शहर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' (ईबीएसबी) पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय आउटरीच ब्यूरो द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।
- यह प्रदर्शनी हरियाणा और तेलंगाना के युग्मित राज्यों जैसे कला रूपों, व्यंजनों, त्योहारों, स्मारकों, पर्यटन स्थलों आदि के विभिन्न दिलचस्प पहलुओं को उजागर करेगी।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140 वीं जयंती के अवसर पर प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किया गया था, हमारे देश के लोगों के बीच भावनात्मक बंधन, जो राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा एक अनूठी पहल है।

3. भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2021

- 7वें IISF का विषय: "**एक समृद्ध भारत के लिए रचनात्मकता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का जश्न मनाना।**
- **यह महोत्सव 10-13 दिसंबर 2021 तक पणजी, गोवा में आयोजित किया जा रहा है।**
- IISF 2021 का आयोजन विज्ञान भारती के सहयोग से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

4. प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन किया

- प्रधान मंत्री ने 13 दिसंबर को वाराणसी में प्राचीन मंदिर को गंगा के पश्चिमी तट से जोड़ने वाले 400 मीटर लंबे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन किया।
- 8 मार्च, 2019 को श्री मोदी द्वारा आधारशिला रखने के साथ ₹800 करोड़ की परियोजना शुरू हुई|
- परियोजना में लागत 339 करोड़ रुपये है और यह लगभग 5 लाख वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैली हुई है।
- परियोजना में **वास्तुकार श्री बिमल पटेल हैं।**

5. स्वर्णिम विजय पर्व

- रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा उद्घाटन किया गया, यह नई दिल्ली में इंडिया गेट लॉन में सशस्त्र बलों की वीरता और व्यवसायिकता का भारत-पाक 1971 युद्ध में बांग्लादेश की मुक्ति में उनके योगदान की स्मृति में 2 दिवसीय कार्यक्रम है। यह युद्ध में भारत की जीत के 50 साल पूरे होने का प्रतीक है।

- यह विजय ज्वाला, स्वर्णिम विजय मशाल साल भर की यात्रा की परिणति को भी चिह्नित करेगा, जिसने देश की लंबाई और चौड़ाई को पार किया और युद्ध के वीर सैनिकों के गांवों से मिट्टी के नमूने एकत्र किए।

6. भारत की हरनाज संधू बनीं मिस यूनिवर्स 2021

- **पंजाब की हरनाज़ संधू (21) ने 12 दिसंबर 2021 को मिस यूनिवर्स 2021 प्रतियोगिता जीती**, जिसमें 79 देशों के प्रतियोगियों को हराकर 21 साल बाद भारत में खिताब को वापस लाया।
- पराग्वे की नादिया फरेरा प्रथम उपविजेता रहीं।
- आयोजन का **70वां संस्करण इस्राइल के रिसॉर्ट शहर इलियट** में आयोजित किया गया था।

7. महिलाओं के लिए इक्विटास बैंक द्वारा शुरू की गई चोल सर्व शक्ति नीति

- इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चोल सर्वशक्ति नीति , एक महिला-विशिष्ट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करने के लिए चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस के साथ भागीदारी की है।
- 18-65 वर्ष के आयु वर्ग की कोई भी नौकरीपेशा/स्व-रोजगार/बेरोजगार महिला जो भारत की निवासी हो, पॉलिसी खरीद सकती है।
- यह पॉलिसी चोलामंडलम जनरल इंश्योरेंस की है जिसे इक्विटास शाखा के माध्यम से इक्विटास बैंक के बैंक खाताधारक को भी बेचा जाएगा।

इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थापना 2016 में चेन्नई में मुख्यालय के साथ की गई थी।

9. यूएपीए के आधे से अधिक बंदियों की आयु 30 वर्ष से कम

- केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा को सूचित किया है,कि
- 2018, 2019 और 2020 में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) 1967 के तहत गिरफ्तार किए गए लगभग 53% व्यक्तियों की आयु 30 वर्ष से कम थी।
- 2020 में, 30 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों की यूएपीए के तहत सबसे अधिक गिरफ्तारी उत्तर प्रदेश (205) में हुई, इसके बाद जम्मू और कश्मीर (166), मणिपुर (113), और झारखंड (35) थे।

10. राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सीमा विवाद

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लोकसभा को सूचित किया है कि **11 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के बीच** सीमाओं के सीमांकन और क्षेत्रों पर दावों और प्रतिदावों के कारण उत्पन्न होने वाले सीमा विवाद हैं।
- निम्नलिखित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सीमा विवादों में शामिल हैं-
- आंध्र प्रदेश-ओडिशा,
- हरियाणा-हिमाचल प्रदेश,
- केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख-हिमाचल प्रदेश,
- महाराष्ट्र-कर्नाटक,
- असम-अरुणाचल प्रदेश,
- असम-नागालैंड,
- असम-मेघालय,

- [illegible]-[illegible]

[illegible] - [illegible]

[illegible] - [illegible]

11. [illegible]

- **[illegible]**
- [illegible] ([illegible]) [illegible]
- **[illegible] ([illegible]) [illegible]-[illegible]**

12. [illegible]|

- **[illegible] 16[illegible] 13 [illegible] 18 [illegible], 2021 [illegible] '[illegible]' [illegible]**
- [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]-[illegible]

13. [illegible] 3 [illegible]|

- [illegible] 15 [illegible] 17 [illegible], 2021 [illegible] 3 [illegible]
- **[illegible] 1971 [illegible], [illegible]**
- [illegible] '[illegible]' [illegible]

- इसके बाद, उन्होंने बंगबंधु स्मारक संग्रहालय, ढाका का दौरा किया जहां उन्होंने बांग्लादेश राष्ट्र के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि दी।
- राष्ट्रपति विजय दिवस परेड को भी देखेंगे और "मुजीब बोरशो (17 मार्च, 2020 से 16 दिसंबर, 2021)" समारोह के समापन को चिह्नित करने के लिए बांग्लादेश के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित विजय दिवस के स्वागत समारोह में भाग लेंगे।

“स्वर्णिम विजय वर्ष स्पेशल” ट्रेन

- भारतीय रेलवे ने बांग्लादेशी स्वतंत्रता सेनानियों (मुक्ति योद्धा) और सशस्त्र बल कर्मियों के लिए एक विशेष "स्वर्णिम विजय वर्षा ट्रेन" शुरू की है।
- दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से चलने वाली ट्रेन मेहमानों को आगरा और अजमेर ले जाएगी।
- 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर जीत की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए आयोजित "स्वर्णिम विजय वर्ष" समारोह के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए बांग्लादेशी भारत का दौरा कर रहे हैं।

14. सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में बैलगाड़ी दौड़ को मंजूरी दी

- **सुप्रीम कोर्ट ने 'बैलगाड़ा', 'शरीयत', 'चक्कड़ी' और 'शंकर पथ' के रूप में लोकप्रिय पारंपरिक ग्रामीण बैल दौड़खेल को फिर से शुरू करने की अनुमति दी है।**
- न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति सी. टी. रविकुमार ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में 2017 से प्रतिबंधित बैलगाड़ी दौड़ को फिर से शुरू करने की मंजूरी दी।
- **सुप्रीम कोर्ट ने** कहा कि जानवरों के प्रति **क्रूरता की रोकथाम (PCA) अधिनियम, 1960** के तहत महाराष्ट्र राज्य द्वारा अधिसूचित संशोधित नियम 2018 जल्लीकट्टू मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ का अंतिम निर्णय आने तक दौड़ के संचालन होता रहेगा ।

15.मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक सूचकांक

- भारत में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की स्थिति पर रिपोर्ट जो एक बच्चे के समग्र विकास में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालती है, प्रधान मंत्री (ईएसी-पीएम) की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी की गई थी।
- फाउंडेशन साक्षरता और संख्यात्मकता भारत में दस वर्ष से कम आयु के बच्चों के बुनियादी पढ़ने, लिखने और गणित कौशल को संदर्भित करता है।

सूचकांक में ये पांच स्तंभ शामिल हैं:

(ए) शैक्षिक बुनियादी ढांचा,

(बी) शिक्षा तक पहुंच

(सी) बुनियादी स्वास्थ्य

(डी) सीखने के परिणाम

(ई) शासन।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (केंद्रशासित प्रदेश) को चार श्रेणियों में बांटा गया था, यानी बड़े राज्य, छोटे राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और उत्तर पूर्वी राज्य।

- बड़े राज्य श्रेणी में, **पश्चिम बंगाल** (58.95) रैंकिंग में सबसे ऊपर है, उसके बाद तमिलनाडु (55.49) और महाराष्ट्र (53.11) और बिहार सबसे नीचे है।
- छोटे राज्यों की श्रेणी में, शीर्ष स्थान पर रहने वाला राज्य **केरल** (67.95) था, उसके बाद हिमाचल प्रदेश (57.36) और पंजाब (56.17) था।
- केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में, शीर्ष स्थान पर लक्षद्वीप (52.69) उसके बाद दिल्ली (50.74) और पुडुचेरी (50.08) था।
- **मिजोरम (51.64) शीर्ष उत्तर-पूर्वी राज्य है।**
- समग्र सूचकांक में खराब प्रदर्शन करने वाले राज्य झारखंड (45.58), ओडिशा (45.28), मध्य प्रदेश (38.69), उत्तर प्रदेश (38.49), बिहार (36.81)थे।

16. क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ महिलाओं की जीत पर राष्ट्रीय सम्मेलन

- यह नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था, और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू मुख्य अतिथि थे।
- इस अवसर पर बोलते हुए उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने 2025 तक लोगों को 'टीबी मुक्त भारत' अभियान में 'प्रमुख भागीदार' बनाने का आह्वान किया।
- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, श्रीमती। स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि भारत में टीबी के कुल मामलों में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 36 फीसदी है|

17. भारत में स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता

- भारत सरकार ने भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थिति के बारे में संसद को सूचित किया है।
- 6780 मेगावाट की वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2031 तक बढ़ाकर 22480 मेगावाट करने की योजना है।
- वर्तमान में देश में कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी वर्ष 2020-21 में लगभग 3.1% है।
- सरकार ने फ्रांस के साथ तकनीकी सहयोग से 1650 मेगावाट के छह परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की स्थापना को मंजूरी दे दी है, जो इसे महाराष्ट्र के जैतापुर में 9900 मेगावाट की कुल क्षमता वाला सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा उत्पादन स्थल बना देगा।

18. CCI ने फ्यूचर ग्रुप के साथ अमेज़न डील रद्द की

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने किशोर बियाणी के नेतृत्व वाले फ्यूचर ग्रुप की सहायक कंपनी फ्यूचर कूपन के साथ अमेज़न के 2019 सौदे के लिए अपनी पूर्व स्वीकृति को रद्द कर दिया है।
- 2019 में, अमेज़न डॉट कॉम इंक की प्रत्यक्ष सहायक अमेज़न डॉट कॉम NV इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने फ्यूचर कूपन प्राइवेट लिमिटेड (FCPL)

[illegible] 49 [illegible] 1431 [illegible]

- [illegible], [illegible] (FCPL) [illegible] (CAIT) [illegible] 2019 [illegible] "[illegible]" [illegible]
- [illegible] 200 [illegible]
- [illegible]

19.[illegible]

- **[illegible] (ICMR) [illegible]** [illegible]
- [illegible]-19 [illegible]
- **[illegible]**

20. [illegible] 21 [illegible]

- [illegible] "[illegible] ([illegible]) [illegible], 2021" [illegible]
- [illegible], 2006 [illegible]
- [illegible] 18 [illegible] 21 [illegible]

7. [illegible] (Dec. 18, 2021)

- [illegible]
- [illegible] '[illegible]' [illegible]
- [illegible].[illegible]

[illegible] -

[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]

8. [illegible] (Dec. 16, 2021)

- **बंगाल की विश्व प्रसिद्ध दुर्गा पूजा यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल**
    - अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर सरकारी समिति ने अपने 16वें सत्र जो 13 से 18 दिसंबर, 2021 तक आयोजित होगा , के दौरान मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में '**कोलकाता में दुर्गा पूजा**' को शामिल किया है।
    - दुर्गा पूजा सितंबर या अक्टूबर में मनाया जाने वाला एक वार्षिक त्यौहार है। यह , विशेष रूप से भारत के पश्चिम बंगाल राज्य तथा भारत के अन्य हिस्सों में और बंगाली प्रवासियों के बीच धूम धाम से मनाया जाता है । यह महालय से विजयादशमी तक हिंदू मां-देवी दुर्गा की दस दिवसीय पूजा का प्रतीक है।

      अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को प्रतिनिधि सूची

      अमूर्त संस्कृति में परंपराएं या जीवित अभिव्यक्तियां शामिल हैं जो हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली हैं और हमारे वंशजों ने दी हैं, जैसे कि मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कला, सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान, उत्सव की घटनाएं, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और अभ्यास या पारंपरिक उत्पादन के लिए ज्ञान कौशल और शिल्प।

      यह मूर्त विरासत से अलग है जो ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातत्व स्थलों आदि को संदर्भित करता है जो किसी समुदाय या देश के लिए महत्वपूर्ण हैं।

      भारत से सभी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची समावेशन का वर्षअमूर्त विरासत

      2021: कोलकाता में दुर्गा पूजा

      2017: कुंभ मेला

      2016: नवरोज, फारसी नव वर्ष

      2016: योग

      2014: जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और तांबे का शिल्प

      2013: संकीर्तन, मणिपुर का अनुष्ठान गायन, ढोल-नगाड़ा और नृत्य

      2012: लद्दाख का बौद्ध जप: ट्रांस-हिमालयी लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत पवित्रबौद्ध ग्रंथों का पाठ

      2010: छऊ नृत्य

      2010: राजस्थान के कालबेलिया लोक गीत और नृत्य

      2010: मुदियेट्टू, केरल का अनुष्ठान थिएटर और नृत्य नाटक

      2009: रमन, धार्मिक त्योहार और गढ़वाल हिमालय, भारत का अनुष्ठान थियेटर

      2008: कुटियाट्टम, संस्कृत थियेटर

      2008: वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा

      2008: रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन

      यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

      यह संयुक्त राष्ट्र (यू एन) की एक विशेष एजेंसी है जिसका उद्देश्य शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

      इसकी स्थापना 16 नवंबर 1945 को हुई थी।

      इसका मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस।

9. Conflict in Nagaland (Dec. 15, 2021)

Relevance: Recently violence has erupted in Nagaland after Indian Armed Forces have 'mistakenly' killed the civilians. The killing of civilians in Mon district has cast a shadow on the already struggling peace talks between the Centre and NSCN (I-M). This has also led to further protests related to removal of the Armed Force Special Protection Act (AFSPA).

Background and History:

- Maoist guerrilla leaders Isak Chisi Swu, Thuingaleng Muivah and S S Khaplang had created the NSCN in 1980 to oppose the decision of the Naga National Council (NNC) to accept the Indian Constitution-the 1975 Shillong Accord was signed by Angami Zapu Phizo-led NNC.
  - On August 14, 1947, the Naga National Council (NNC) led by Angami Zapu Phizo declared independence for Nagaland. Phizo formed an underground Naga Federal Government (NFG) and a Naga Federal Army (NFA) in 1952, in response to which the Centre sent in the Army and enacted the Armed Forces (Special) Powers Act, or AFSPA.
- After differences between the top leaders, the group split into the NSCN-IM and the NSCN-K.
- In 1997, the NSCN-IM agreed to a ceasefire which led to the start of almost two decades of peace talks with the Indian government.
  - It refers to **ongoing talks between the Indian government and Naga insurgent groups,** in particular the NSCN(IM), since 1997 with the aim to sign a Naga Peace Accord.
- The 2015 agreement was signed between the Centre and the Naga groups led by National Socialist Council of Nagaland-Isak-Muivah (NSCN-IM) after the latter agreed to give up its long-standing demand for sovereignty.
  - There was a broad understanding of a settlement within the Indian constitutional framework, with due regard to the uniqueness of Naga history and tradition.
- The process, however, halted when the group insisted on a **separate flag as well as the inclusion of all Naga-inhabited areas in one administrative apparatus**.
  - The NSCN-IM's **"Greater Nagalim"** consists of present Nagaland and all contiguous Naga-inhabited areas, which includes many districts of Assam, Arunachal Pradesh and Manipur, and most interestingly, a part of neighbouring Myanmar.

Major Issues and Concerns

- Most of the states except Plains of Assam were deliberately excluded from mainstream government administration of Britishers and categorised as excluded areas in Government of India Act 1935 and the ethnic people were called backward tribes. This has led to the exclusion of the ethinic people from the rest of India.
- Recent killings of civilians have invoked the demand of removal of AFSPA which gives armed forces special powers to control "disturbed areas", which are designated by the government.
  - Under its provisions, the armed forces have been empowered to open fire, enter and search without warrant, and arrest any person who has committed a cognisable offence, all while having immunity from being prosecuted.
  - Currently, AFSPA is in effect in **Jammu and Kashmir, Nagaland, Assam, Manipur (excluding seven assembly constituencies of Imphal) and parts of Arunachal Pradesh.**
- Naga people consider the act as "decorian'' and have been asking for its removal for a long time.

- Further, these killings could be exploited by certain insurgent groups to recruit and even strengthen the hands of the NSCN(I-M), which will likely push for its demands and adding fuel to the insurgency in the North east areas.
- The current demands of the NSCN (IM) have toned down from complete sovereignty to a **greater autonomous region** within the Indian constitutional framework.
- They have been asking for a **separate Naga flag** also.
- The unrest in the region is a great challenge to the internal security of border areas as it continues to get young recruits and wields considerable influence in the region.
- After the removal of the interlocutor N. Ravi by the centre, the state has been waiting for the new appointment.

Government’s Stand

- According to the GoI, AFSPA is a “a very simple measure” to control the “misguided Nagas indulging in mischievous activities”.
- Further, over such a vast area to depute civil magistrates to accompany the armed forces is not possible.
- There is no way the government would accept a separate constitution for Nagaland as it is against the sovereignty of India.
- The idea of providing a separate flag was also weakened after Kashmir region’s flag was taken away in 2019.
- GoI considers Nagaland as an inseparable part of the country and is taking security measures to strengthen the border areas by curbing the insurgent groups.
- GoI considers that accepting the demand of a particular group will give rise to the separatist tendency in the entire northeast which would be against India's overall security and sovereignty.

Conclusion:

- The Naga insurgency, rooted in Naga nationalism, is one of the oldest insurgencies in the country. Lasting peace in the Northeast is not possible without resolving the Naga insurgency.
- It is important to understand that there cannot be an accord without the NSCN(IM). The idea is to slowly bring them to accept what India can give without compromising the country's sovereignty and security.
- For the same there is a need to have collaborative talks between the centre and state and the separatist group as well. GoI must consider the suggestions given by the Jeevan Reddy Committee formed in 2004 which had recommended a complete repeal of the AFSPA.
- Setting up **Bicameral Assembly with at least 40 nominated members** representing different tribes; a**bsorption of cadres as local armed forces or in the Indian paramilitary**; setting up of **autonomous councils in Naga-dominated areas** of neighbouring states; and the **use of the Naga flag for at least customary events** can provide amicable solutions to the current crisis.

Sources:

https://indianexpress.com/article/explained/naga-peace-talks-nagaland-insurgent-group-7533021/

https://economictimes.indiatimes.com/news/india/two-issues-are-holding-up-the-naga-solution-under-the-ongoing-indo-naga-political-talk-nscn-im/articleshow/87042545.cms?from=mdr

https://indianexpress.com/article/opinion/columns/nagaland-insurgency-peace-accord-pm-modi-5545506/

https://www.thehindu.com/news/national/other-states/naga-issue-signing-of-new-pact-to-bring-new-developments-says-neiphiu-rio/article37399806.ece

10. गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यू ए पी ए) में आधे से अधिक बंदियों की उम्र 30 वर्ष से कम है (Dec. 15, 2021)

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा को सूचित किया कि:

- 2018, 2019 और 2020 में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यू ए पी ए) 1967 के तहत गिरफ्तार किए गए लगभग 53% व्यक्ति 30 वर्ष से कम आयु के थे।
- आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अतीत में यूएपीए में संशोधन किया गया था, और सरकार द्वारा "वर्तमान में यूएपीए में कोई संशोधन विचाराधीन नहीं है"।।
- 2020 में, 30 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों की यूएपीए के तहत सबसे अधिक गिरफ्तारी उत्तर प्रदेश (205) में हुई, उसके बाद जम्मू और कश्मीर (166), मणिपुर (113), और झारखंड (35) में हुई।